



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 365]

No. 365]

नई दिल्ली, बुधस्वतिवार, अक्टूबर 31, 1996/कार्तिक 9, 1918
NEW DELHI, THURSDAY, OCTOBER 31, 1996/KARTIKA 9, 1918

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 31 अक्टूबर, 1996

सं. 6/96-सेवा कर

सा. का. नि. 505 (अ).—केन्द्रीय सरकार, वित्त (सं. 2) अधिनियम, 1996 (1996 का 33) की धारा 85 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, 1 नवम्बर, 1996 को ऐसी तारीख के रूप में नियत करती है, जिसको उक्त अधिनियम की उक्त धारा प्रवृत्त होगी।

[फा. सं. 341/43/96-टी. आर. यू.]

नवनीत गोयल, अवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 31st October, 1996

No. 6/96-Service Tax

G.S.R. 505(E).—In exercise of the powers conferred by section 85 of the Finance (No. 2) Act, 1996 (33 of 1996), the Central Government hereby appoints the 1st day of November, 1996, as the date on which the said section of the said Act shall come into force.

[F. No. 341/43/96-TRU]

NAVNEET GOEL, Under Secy.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 31 अक्टूबर, 1996

सं. 7/96-सेवा कर

सा. का. नि. 506 (अ).—केन्द्रीय सरकार, वित्त अधिनियम, 1994 (1994 का 32) की धारा 94 की उपधारा (2) के साथ पठित उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सेवा कर नियम 1994 (जिसे इसके पश्चात् उक्त नियम कहा गया है), का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (i) इन नियमों का संक्षिप्त नाम सेवा कर (प्रथम संशोधन) नियम, 1996 है।
(ii) उक्त नियम 1 नवम्बर, 1996 को प्रवृत्त होंगे।
2. उक्त नियम के नियम 2 के उपनियम (1) के खण्ड (घ) में,—
(i) उपखण्ड (i) में “टेलीफोन कनेक्शन के संबंध में” शब्दों के स्थान पर “टेलीफोन कनेक्शन और पेजर के संबंध में” शब्द रखे जाएंगे;
(ii) उपखण्ड (iii) के पश्चात्, निम्नलिखित उपखण्ड, अंतः स्थापित किए जाएंगे, अर्थात् :—
“(iv) विज्ञापन अभिकरण द्वारा प्रदान की गई सेवाओं के संबंध में, ऐसी प्रत्येक विज्ञापन अभिकरण जो ग्राहक को प्रदान की गई सेवाओं के लिए बिल जारी करती है।
(v) कूरियर अभिकरण द्वारा प्रदान की गई सेवाओं के संबंध में, ऐसी प्रत्येक कूरियर अभिकरण जो ग्राहक को प्रदान की गई सेवाओं के लिए बिल जारी करती है”।

[फा. सं. 341/43/96-टी. आर. यू.]

नवनीत गोयल, अवर सचिव

टिप्पणी :—सेवा कर नियम 1994 तारीख 28 जून, 1994 के सा. का. नि. 546 (अ), के तहत भारत के राजपत्र में प्रकाशित किए गए थे और बाद में सेवा कर (संशोधन) नियम 1995 द्वारा तारीख 28 जून, 1995 के सा. का. नि. 524 (अ) के तहत भारत के राजपत्र में प्रकाशित करके ये संशोधित किए गए हैं।

NOTIFICATION

New Delhi, the 31st October, 1996

No. 7/96-Service Tax

G.S.R. 506(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) read with sub-section (2) of section 94 of the Finance Act, 1994 (32 of 1994), the Central Government hereby makes the following rules to further amend the Service Tax Rules, 1994 (hereinafter referred to as the said rules), namely :—

1. (i) These rules may be called the Service Tax (First Amendment) Rules, 1996.
(ii) They shall come into force on the 1st day of November, 1996.
2. In the said rule, in rule 2, in sub-rule (1), in clause (d),—
(i) in sub-clause (i), for the words “in relation to a telephone connection”, the words “in relation to a telephone connection or pager” shall be substituted;
(ii) after sub-clause (iii), the following sub-clauses shall be inserted, namely :—
“(iv) in relation to the services provided by an advertising agency, every advertising agency which raises the bill for services rendered to a client by such agency;
(v) in relation to the services provided by a courier agency, every courier agency which raises the bill for services rendered to a customer by such agency”.

[F. No. 341/43/96-TRU]

NAVNEET GOEL, Under Secy.

Note : The Service Tax Rules, 1994 were published in the Gazette of India vide notification No. 2/94-Service Tax, dated 28-6-94 [G.S.R. 546 (E) dated 28-6-1994] and were subsequently amended by Service Tax (Amendment) Rules, 1995 published in the Gazette of India vide notification No. 4/95-Service Tax, dated 28th June, 1995 [G.S.R. 524 (E) dated 28-6-1995].